I/21595/2020

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-19-जून-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट http://cwc.gov.in/news-clipping पर देखें

The Tribune 19-Jun-2020

State aims water supply to 7L households this fiscal

Plans to complete Jal Jeevan Mission two years before national target date

GEETANJALI GAYATRI
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, JUNE 18

With exhaustive and aggressive micro and macro planning to install taps in every rural household under the Jal Jeevan Mission, Haryana has set a target of taking drinking water to seven lakh households during this financial year and has planned to complete the entire exercise by 2022, two years ahead of the national target date.

The Public Health Department has divided the state into three categories to kickstart its work in a phased manner. "We have divided all villages into slots based on water availability and network. In the first category, we plan to target areas where water is available, but distribution pipelines need to be laid. In the second category, we will tackle areas where supply needs to be augmented. The third category has villages where water sources need to be changed. This is the toughest category and we will tackle it last so that water can at least start to flow in houses where it is available," explains Devender Singh, Additional Chief Secretary, Public Health.

DIVISION INTO THREE SLOTS

- In the first category, areas where water distribution pipeline needs to be laid will be the target
- In the second category, areas where supply of water needs to be augmented will be tackled
- The third category has villages where sources need to be changed, which will be tackled last

Out of 30 lakh rural households in the state, it was found that water supply to only 11 lakh households was being billed as per the BISWAS portal at the time of the launch of the programme in December last. Since then, about 11 lakh households had been added to the portal, including four lakh in 2020-21. Since the target for this year is seven lakh households, work is in progress to take water to the remaining households. While ensuring quality, the department has to meet a supply target of 55 litres per capita per day.

The department has created a system whereby it has set deadlines for every habitation. The timeline lays down six critical dates — that of submission of tender, technical sanction, floating of tender, its award, start of work and its finishing. "We have mapped every single habitation. This will help us identify where we are lagging in case there is a delay. We have been approached by Punjab and Maharashtra for counselling them about our work plan," Devender Singh said.

The last one lakh households, primarily in villages of Nuh, set for the last year, will be the most difficult since water is in short supply, underground water is brackish and no canal network carrying requisite quality of drinking water is available. Those households will be tackled last and the state has worked out a plan by which all households in the state will have a tap connection supplying water by the end of 2022.

"We have created a web-enabled dashboard which can give data and provide dynamic real-time progress of each habitation. This not only ensures transparency in the work being carried out on the ground, but also allows us to monitor the progress in every habitation of each village in each district," Devender Singh explained. At the end of this financial year, one district and 2,898 villages would have tap connections in all rural households, he added.

Monsoon may hit NCR on June 25

NEW DELHI, JUNE 18

The southwest monsoon is unlikely to progress further till June 21. However, conditions may become favourable for its advance into UP and parts of the western Himalayan region between June 22 and 24. The IMD today said it was likely to reach Haryana, including the NCR, around June 25. — TNS

Hindustan Times 19-Jun-2020

hindustantimes

htweather

FRIDAY
Strong surface winds during day time
42°c | 30°c

SATURDAY
Generally cloudy sky with light rain or drizzle
42°c | 31°c

SUNDAY
Generally cloudy sky with light rain or drizzle
41°c | 31°c

TEMPERATURE ·HIGH ·LOW
FOR A 6-DAY FORECAST, USE HT ACTIVE

ALMANAC
Today is 19th June 2020
- 26 Shawwal 1441
- Ashadha, Krishna Paksha, 13
- Samvat 2077

Sunset: Friday at 07:21 p.m.
Sunrise: Saturday at 05:23 a.m.
Moonrise: Saturday at 04:27 a.m.
Moonset: Saturday at 06:36 p.m.

TEMPERATURE IN FOUR METROS

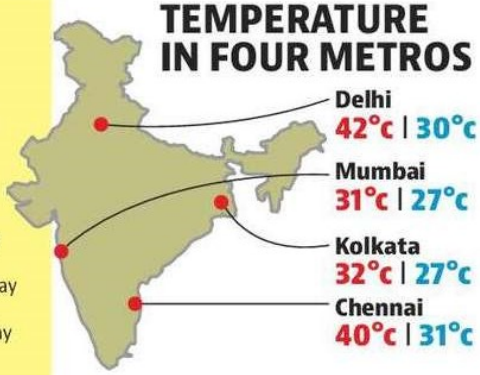

Delhi 42°c | 30°c
Mumbai 31°c | 27°c
Kolkata 32°c | 27°c
Chennai 40°c | 31°c

The Pioneer 19-Jun-2020

जल जीवन मिशन में ग्राम के सभी घरों में हों वैध कनेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

54 हजार 765 अवैध कनेक्शन को किया जा चुका है वैध

2022 तक हो, हर घर में नल-हर नल में जल : उपायुक्त सुजान सिंह

उपायुक्त सुजान सिंह ने जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवेश में प्रत्येक घर में नल हो और उसमें जल हो। सभी घरों में कनेक्शन वैध हो। जिला में सर्वे के दौरान 59 हजार 145 घरों में वैध कनेक्शन चल रहे हैं। 54 हजार 765 घरों में पानी तो जा रहा था, परंतु कनेक्शन अवैध थे। जिन्हे वैध किया जा चुका है। बाकि बचे सभी घरों में भी वैध कनेक्शन लगाने की व्यवस्था की जाए।

उपायुक्त सुजान सिंह जिला जल एवं सीवरेज मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 37 हजार 808 घरों को चयनित किया गया है, जिनमें पाइप लाइन तथा टोटी लगाने की व्यवस्था की जाएगी। संबंधित विभाग गांवों को रोल मॉडल के रूप में विकसित करें, जहां पर शत-प्रतिशत टोटी हो और पानी व्यर्थ नहीं बहे। इसके लिए मिशन मोड पर कार्य करें। वॉटर सीवरेज कमेटी की नियमित बैठकों का आयोजन हो। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पहले फेज में 186 गांव के लिए 59 करोड़ 14 लाख के एस्टीमेट भेजे गए, जिनमें से 150 गांव के लिए 38 करोड़ 28 लाख एप्रुवड हो चुके हैं। इसके तहत 23 हजार 280 घरों में विभाग द्वारा 232 किलोमीटर की पाइप लाइन 4 ईंच की तथा 21 किलोमीटर पाइप लाइन 6 ईंच की डालकर पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सभी 278 विलेज वॉटर सीवरेज कमेटी के खाते खुलवाना सुनिश्चित करें। इस योजना के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। जिसके लिए बैनर इत्यादि लगवाए जाएं और लोगों को सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए बताया जाए। जिला में कैथल और गुहला में पानी की चेकिंग के लिए दो लैब हैं। जोकि एनएबीएल यानि नेशनल एक्रीडिएशन बोर्ड ऑफ टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरट्री से सत्यापित है। उन्होंने निर्देश दिए कि पानी के और अधिक सैंपल लेकर जांच करवाई जाए। बैठक में कार्यकारी अभियंता कर्णवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2019-20 में पानी के सैंपल चैक करने का टारगेट 6 हजार था, जिसे अचीव करके 9 हजार 204 सैंपल लिए गए। वर्ष 2020-21 के लिए 6 हजार का टारेगट आया है, अब तक 505 पानी के सैंपल लिए जा चुके हैं। आईईसी एक्टीविटी के तहत 794 ग्रास रूट वर्कर्स को ट्रेंड किया जा चुका है। खंड लेवल विलेट वॉटर एंड सैनिटेशन कमेटी की ट्रेनिंग करवाई जा चुकी है।

The Pioneer 19-Jun-2020

बेमौसम बरसात, चक्रवात के कारण महाराष्ट्र में ज्यादा बारिश: आईएमडी

भाषा। मुंबई

मध्य महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश हुई और तटीय इलाकों में आया चक्रवात निसर्ग ने राज्य को अधिक वर्षा वाली श्रेणी में पहुंचा दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई और एमएमआर क्षेत्र में एक से 18 जून के बीच काफी अधिक बारिश हुई है। अधिकारी ने बताया कि कोंकण उपमंडल में अबतक 523 मिली मीटर बारिश हुई है लेकिन आमतौर पर 317 मिमी बरसात होती है। इस उपमंडल में मुंबई और महाराष्ट्र के तटीय जिले शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि

फाइल फोटो

इस बार अबतक 65 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो गई है, जिस वजह से उन्हें काफी अधिक बारिश वाली श्रेणी में रखा गया है। आंकड़ों में बताया गया है कि मध्य महाराष्ट्र में 164 मिमी बारिश हुई है। इस हिस्से में आमतौर पर 81 मिमी बारिश होती है। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा संकेत है क्योंकि यहां मुख्य तौर पर कृषि होती है और इस क्षेत्र में गन्ने की खेती बड़े पैमाने पर होती है। मराठवाड़ा के शुष्क क्षेत्र में 130 मिमी बारिश हुई। इस क्षेत्र में आमतौर पर 74 मिमी बारिश होती है। यह 74 फीसदी ज्यादा है। उन्होंने बताया कि विदर्भ क्षेत्र या राज्य के पूर्वी जिलों में राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में कम बारिश हुई है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में व्यापक बारिश होने का अनुमान है जबकि राज्य के अन्य हिस्सों में 22 जून तक कहीं-कहीं बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी के अनुमान के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून की वजह से विदर्भ क्षेत्र में 22 जून को व्यापक बारिश हो सकती है। तब तक क्षेत्र में हल्की बारिश होगी।

Millennium Post 19-Jun-2020

Sardar Sarovar dam level rises, 11m short of full capacity

AHMEDABAD: Though the monsoon has just arrived in Gujarat, the water level of the Sardar Sarovar Dam over Narmada river is rising fast and has reached 127.46 metres, just 11 metres short of its maximum capacity, officials said on Thursday.

With the fresh inflow of upstream water, mainly from the Omkareshwar and Indira Sagar dams located in Madhya Pradesh, the live water storage of the dam has reached up to 2,700 million cubic metres, they said. "The water level of the reservoir has reached 127.46 metres," Sardar Sarovar Narmada Nigam Limited Director P C Vyas said. This is just just 11.22 metres short of its full reservoir level of 138.68 metres. AGENCIES

Millennium Post 19-Jun-2020

North India swelters under stifling heat, mercury touches 46°C mark

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Several parts of north India reeled under scorching heat on Thursday as mercury touched the 46 degrees Celsius-mark, with the weatherman predicting severe heatwave in some parts of Rajasthan.

In the national capital, weather stations at Ayanagar recorded maximum temperature of 46.4 degrees Celsius.

Heat wave conditions remained unabated in parts of Rajasthan where Ganganagar became the hottest place with a maximum temperature of 46.1 degrees Celsius.

Churu, Bikaner, Jaisalmer and Jaipur recorded a maximum of 45.6 degrees, 44.8 degrees, 44 degrees and 43.3 degrees Celsius, respectively.

A MeT official said weather

conditions would remain the same with possibilities of severe heatwave at some places in the desert state during the next 24 hours.

The maximum temperature also hovered above normal limits in Haryana and Punjab.

In Haryana, Hisar sweltered at 44.2 degrees Celsius, while Narnaul recorded a high of 43.6 degrees Celsius, two notches above normal.

Ambala recorded a maximum of 40.8 degrees, three degrees above normal, while Karnal recorded 39.5 degrees Celsius, it said.

Amritsar, Ludhiana and Patiala in Punjab recorded above normal maximum temperatures of 41.4 degrees, 41.6 degrees and 41.3 degrees, respectively.

Chandigarh, the common capital of the two states, registered a maximum of 40.2 degrees Celsius, two notches against normal limits.

Meanwhile, an India Meteorological Department (IMD) official said unseasonal showers in central Maharashtra and Cyclone Nisarga that lashed coastal areas have put the state in the largely excess rainfall' category.

According to the IMD forecast, widespread showers are likely in the coastal areas of Maharashtra, while the rest of the state is expected to get scattered and isolated showers till June 22.

The Telegraph 19-Jun-2020

WEATHER REPORT

It is time to take off the rose-tinted glasses; the clouds on the climatic horizon are getting darker. The *Assessment of Climate Change over the Indian Region* — India's first ever report on climate change by scientific institutions under the government — bears grave tidings. In comparison to the last few decades, India's average temperature by the end of this century is projected to rise by a shocking 4.4 degrees celsius; the nation is also set to experience more severe cyclones and droughts and a much higher frequency of heat waves. Even more alarming, however, are the climate outcome projections under the prevailing "business as usual" ambience — a situation in which no measures are put in place to curb greenhouse gas emissions. In the absence of mitigatory action, the temperatures of the hottest day and coldest night, which had already warmed by 0.63 degrees and 0.4 degrees, respectively, between 1986 and 2015, will rise by about 4.7 degrees and 5.5 degrees by the end of the 21st century. This would have ominous implications for the nation's ecosystems, putting great stress on the fragile ecological balance, substantially reducing agricultural output and freshwater resources and causing serious damage to public infrastructure.

A sliver of hope lies in the fact that with this report, the government seems to have admitted that the climate emergency can no longer be ignored. The challenge for India is now manifold. Not only must it work on a war footing to devise mitigatory, inclusive policy and modernize infrastructure to become climate resilient but it must also widen the scope of its interventions to address the contentious issue of climate justice. For example, climate refugees are not recognized under most international laws, including the 1951 Refugee Convention and the 1967 Protocol relating to the Status of Refugees. This renders them ineligible for protection under Indian and global legal frameworks. Addressing the rights and needs of such displaced populations — rehabilitation, education, jobs — should be integral to India's model for managing the imminent climate crisis. However, India cannot meet its domestic needs without international cooperation. It must take a position of leadership on behalf of the developing world to demand equitable distribution of funds and the transfer of technology from insular, affluent economies. One way for India to prevent the climate emergency from deepening is by aligning the concerns of climate justice with strategic interests. This could harmonize the seemingly competitive goals of development and ecology.

Asian Age 19-Jun-2020

More rain predicted in next 48 hours

Children run on a waterlogged street amidst vehicles during rains in Navi Mumbai on Thursday. While Mumbai received 5.5 mm rain till Thursday evening, Thane received more than 40 mm in just five hours. — *PTI*

Navbharat Times 19-Jun-2020

सूरज के तेवर ने छुड़ाए पसीने, आज शाम से मिलेगी कुछ राहत

गुरुवार को राजधानी का तापमान 42.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली:

राजधानी में सूरज ने फिर आग उगलना शुरू कर दिया है। गुरुवार को गर्मी काफी अधिक रही। आया नगर में तो तापमान 46.4 डिग्री तक पहुंच गया। शुक्रवार को भी गर्मी के और बढ़ने की संभावना है। शाम के समय बादल और तेज हवाओं के साथ कुछ राहत मिल सकती है। राजधानी में प्री-मॉनसून गतिविधियां गुरुवार देर शाम से शुरू होने की संभावना है, वहीं 20 जून से हल्की बारिश भी शुरू होने की संभावना है।

गुरुवार को राजधानी का तापमान 42.5 डिग्री रहा जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री रहा। राजधानी में सबसे अधिक गर्मी आया नगर में रही, जहां तापमान 46.4 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं पूसा का तापमान 45.1 डिग्री, पालम में 44.2 डिग्री रहा। हवा में नमी का स्तर गुरुवार को भी 38 से 81 प्रतिशत तक बनी रही। गुरुवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक रह सकता है। इसके बाद शुक्रवार से हल्की कमी आएगी लेकिन तापमान 41 डिग्री के आसपास बना रहेगा। इसके बाद 20 जून से प्री-मॉनसून गतिविधियां बढ़ेगी बूंदाबांदी के साथ तेज हवाएं आ सकती हैं। 20 जून से रात के समय भी गर्मी बढ़ेगी। 21 जून से बारिश की गतिविधियां कुछ तेज होंगी। इसके बाद 22 जून से तापमान 40 डिग्री के नीचे पहुंच जाएगा। 23 से 25 जून के बीच मॉनसून राजधानी में दस्तक दे देगा।